भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
09.08.2023 के
अतारांकित प्रश्न सं. 3297 का उत्तर

रेल जोन

3297. श्री दिनेश लाल यादव 'निरहुआ':

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश के प्रचालनरत रेल जोनों का ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या रेलवे बोर्ड ने वर्तमान रेल जोनों के आकार, कार्यभार, यातायात प्रणालियों, प्रचालन और प्रशासनिक आवश्यकताओं जैसे कारकों का आकलन किया है;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार का राज्यों की आवश्यकता और मांग के अनुसार और अधिक रेल जोन स्वीकृत करने का विचार है;
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(च) रेलवे को और अधिक लाभकारी बनाने के लिए सरकार द्वारा सभी रेल जोनों के समग्र कार्य निष्पादन में सुधार लाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

s.k

रेल जोन के संबंध में 09.08.2023 को लोक सभा में श्री दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' के अतारांकित प्रश्न सं. 3297 के भाग (क) से (च) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क): देश में 17 रेलवे जोन कार्यशील हैं। ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	जोनल रेलवे	मुख्यालय
1.	मध्य रेलवे	मुंबई
2.	पूर्व रेलवे	कोलकाता
3.	पूर्व मध्य रेलवे	हाजीपुर
4.	पूर्व तट रेलवे	भुवनेश्वर
5.	उत्तर रेलवे	नई दिल्ली
6.	उत्तर मध्य रेलवे	प्रयागराज
7.	पूर्वोत्तर रेलवे	गोरखपुर
8.	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे	गुवहाटी
9.	उत्तर पश्चिम रेलवे	जयपुर
10.	दक्षिण रेलवे	चैन्ने
11.	दक्षिण मध्य रेलवे	सिकंदराबाद
12.	दक्षिण पूर्व रेलवे	कोलकाता
13.	दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे	बिलासपुर
14.	दक्षिण पश्चिम रेलवे	हुबली
15.	पश्चिम रेलवे	मुंबई
16.	पश्चिम मध्य रेलवे	जबलपुर
17.	मेट्रो रेलवे	कोलकाता

(ख) से (च): रेलवे जोनों के कार्यभार, यातायात पैटर्न, प्रशासनिक आवश्यकता और परिचालन को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों का मूल्यांकन करना एक सतत् प्रक्रिया है।

उपरोक्त के अलावा, दक्षिण तट रेलवे (एससीओआर) जोन, जिसका मुख्यालय विशाखापत्तनम में है, को छोड़कर जोनों की संख्या बढ़ाने का कोई अन्य प्रस्ताव इस समय इस मंत्रालय के विचाराधीन नहीं है।

सभी रेलवे जोनों के संपूर्ण कार्य-निष्पादन और रेलवे की लाभप्रदता में सुधार लाने के लिए माल लदान, यात्री यातायात, आमदनी, व्यय, समयबद्धता और अवसंरचना सृजन हेतु वित्त वर्ष के आंरभ में सभी जोनों के लिए लक्ष्य निर्धारित करने पर जोर दिया जा रहा है। इसके अलावा, परिसंपत्ति उपयोग और उत्पादकता में सुधार के लिए वार्षिक लक्ष्य भी निर्धारित किए जा रहे हैं। समीक्षा बैठकों के जरिए नियमित रूप से कार्य निष्पादन का मूल्यांकन किया जा रहा है और इनकी मॉनिटरिंग की जा रही है। निष्पादन के संबंध में जोनों के समक्ष आने वाली समस्याओं और बाधाओं का भी नियमित रूप से समाधान किया जा रहा है।

****

s.k